व्यवसाय प्रशासन में स्नातक
(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य
2026

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2026 से 30th दिसम्बर, 2026

षष्टम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

व्यवसाय प्रशासन में स्नातक

(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य 2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक ट्यूटर मार्क्ड असाइनमेंट करना होगा । हम आपको BMP-003, BMP-004, BMP-005 BCOS-185 और BCOS-186 के सत्रीय कार्य एक साथ भेज रहें हैं ।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2026 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2026 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2026 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2026 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. एस. -185**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**उद्यमिता**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. एस. -185/टी. एम. ए./2026**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

1. उद्यमिता को परिभाषित कीजिए। भारत जैसे विकासशील देश के आर्थिक विकास में उद्यमिता की भूमिका और महत्व की व्याख्या कीजिए। **(10)**

2. "उद्यमीय सक्षमताएं" (Entrepreneurial Competencies) क्या हैं? उन प्रमुख व्यवहारिक लक्षणों और कौशलों की पहचान करें और व्याख्या करें जो एक सफल उद्यमी को एक पारंपरिक प्रबंधक से अलग करते हैं। **(10)**

3. व्यवसाय योजना (Business Plan) क्या है? एक नए उद्यम के लिए व्यापक परियोजना रिपोर्ट (Project Report) में शामिल किए जाने वाले आवश्यक घटकों का वर्णन कीजिए। **(10)**

4. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। वर्तमान प्रतिस्पर्धी माहौल में लघु उद्योगों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं की चर्चा कीजिए। **(10)**

5. भारत में उद्यमियों के लिए उपलब्ध विभिन्न 'संस्थागत सहायता प्रणालियों' का वर्णन कीजिए। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) और राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (NSIC) द्वारा निभाई गई भूमिकाओं पर प्रकाश डालिए। **(10)**

खण्ड – ख

6. एक उद्यमी (Entrepreneur) और एक अन्तः उद्यमी (Intrapreneur) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। अन्तः उद्यमिता बड़े निगमों को कैसे लाभ पहुँचाती है, इसके उदाहरण दीजिए। **(6)**

7. व्यावसायिक विचारों (Business Ideas) के सामान्य स्रोत क्या हैं? एक व्यवहार्य व्यावसायिक अवसर की पहचान करने के लिए पर्यावरण स्कैनिंग (Environmental Scanning) की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। **(6)**

8. स्टार्टअप के वित्तपोषण में 'वेंचर कैपिटल' (Venture Capital) के महत्व की व्याख्या कीजिए। यह पारंपरिक बैंक वित्तपोषण से किस प्रकार भिन्न है? **(6)**

9. भारत में महिला उद्यमियों द्वारा विशेष रूप से सामना की जाने वाली चुनौतियों की चर्चा कीजिए और उन्हें दूर करने के उपाय सुझाएं। **(6)**

10. बाजार सर्वेक्षण (Market Survey) क्या है? किसी उत्पाद को लॉन्च करने से पहले बाजार व्यवहार्यता अध्ययन (Market Feasibility Study) करना क्यों महत्वपूर्ण है? **(6)**

खण्ड – ग

11. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: **(5 × 2)**

क) SWOT विश्लेषण

ख) पारिवारिक व्यवसाय (Family Business)

12. निम्नलिखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए: **(5 × 2)**

क) इक्विटी वित्तपोषण (Equity Financing) और ऋण वित्तपोषण (Debt Financing)

ख) व्यवसाय योजना (Business Plan) और विपणन योजना (Marketing Plan)